Development *of* adventure tourism in the country

3635. SHRI KAMAL MORARKA; Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to refer to the reply to Starred Question 196 given in the Rajya Sabha on 21-7-92 and state;

(a) what is the amount of funds which have been provided to the States and utili sation made with physical progress in deve loping infrastructure for adventure tourism; and

(b) how the partcipation of youth is proposed to be encouraged in adventure tourism in the country?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) During 1991-92 the Central Government had released funds to the tune of Rs. 254.53 lakhs to different Staten/Union Territories for purchase of equipment for (i) Winter\wat:er Sports (ii) Mountaineering and *(iii)* Trekking and Golf Tourism under "Adventure Tourism". The funds are released in instalments depending upon the proper utilisation and physical progress made by the States/Union Territories for development of infrastructure for adventure tourism.

(b) By giving adventure sports equipment to States/Union Territories, the youth of the country is encouraged and exposed to various adventure sports. Department of Tourism also supports various events like Adventurt Camps, Raillies etc. organised by States/Unions Territroes which involves active participation of the youths.

रत्नागिरि विमानपत्तन से विमान सेवा

8636. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल :**

डा० श्रीकांत रामचन्द्र जिचकर :

श्री सुशील कुमार संभाजीराव शिन्दे :

श्री शिवाजीराव गिरिधर पाटिल :

क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रत्नागिरि विमानपत्तन की हवाई पट्टी का विस्तार किया जा चुका है ;

(ख) यदि हां, तो यहां से वायदूत एवं अन्य विमान सेवाएं कब से उपलब्ध कराये जाने की संभावना है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) । (क) रत्नागिरि हवाई अड्डा महाराष्ट्र सरकार का है जिसने एयरो प्रकार के विमानों के परिचालन के लिए रत्नागिरि की हवाई पट्टी का विस्तार कार्य पूरा कर लिया है ।

(ख) और (ग) वाणिज्यिक और परिचालनात्मक कारणों से, वायदूत के लिए रत्नागिरि को पुन: सेवा चालू करना संभव नहीं है । तथापि, हवाई टैक्सी प्रचालक देश में रत्नागिरि सहित उन सभी हवाई अड्डों के लिए परिचालन करने के लिए स्वतंत्र हैं जो अनसूचित प्रचालनों के लिए खुले हैं ।

"ओपेन स्काई" नीति के अधीन प्रचालन परमिट का नवीकरण

8637. **डा० बापू कालदाते :** क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सच है कि सरकार का "ओपन स्काई" नीति के अधीन प्रचालन परमिट का प्रतिवर्ष नवीकरण कराया जाना होता है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि नियमों की जटिलता और परमिट का प्रतिवर्ष